श्री जगदम्बा जी की आरती

जय अद्या शक्ति मां जय अद्या शक्ति
अखंड ब्रह्मांड दिपाव्या - पड़वे प्रगट थया थया
ओम जय मां जगदम्बे
द्वितीया बे स्वरूप, शिव शक्ति जानू - मां शिव शक्ति जानू
ब्रह्मा गणपति गाये ब्रह्मा गणपति गाये - हर गाये हर मां
ओम जयो जयो मां जगदम्बे

तृतीया त्रण स्वरूप मां बैठा - मां त्रिभुवन में बैठा
त्रया थकी तरवेनी, त्रया थकी तरवेनी - तू तरवानी मां
ओम जयो जयो मां जगदम्बे

चौथे चतुर मां लक्ष्मी मां सचराचर व्यापया - मां सचराचर व्यापया
चार भुजा चार दिशा - चार भुजा चार दिशा - प्रगट्या दक्षिण मां
ओम जयो जयो मां जगदम्बे

पंचमी पांच ऋषि पंचमी गुण पदमा - मां पंचमी गुण पदमा
पांच सहस्र ते सोहे, पांच सहस्र ते सोहिये, पांच तत्वा मां
ओम जयो जयो ---

षष्ठी तू नारायणी, महिषासुर मारया, मां महिषासुर मारया
नर नारी न रूपे, नर नारी न रूपे, व्यापया संहार मां
ओम जयो जयो ---

सप्तमी सप्त पताल सावित्री संध्या, मां सावित्री संध्या
गौ गंगा गायत्री, गौ गंगा गायत्री, गौरी गीता मां
ओम जयो जयो -----

अष्टमी अष्ट भुजा आयी आनंदा, मां आयी आनंदा
सुनवर मुनिवर जनम्या, सुनवर मुनिवर जनम्या, देव दैत्या मां
ओम जयो जयो ---

नवमी नवकुल नाग सेवे मा दुर्गा, मां सेवे नव दुर्गा
नवरात्री न पूजन शिवरात्री, न अर्चन किया हर ब्रह्मा
ओम जयो जयो ----

दशमी दस अवतार, जय विजय दशमी, मां जय विजय दशमी
रामे राम रामदया, रंक राज रावदया, रावन रोरेया मां
ओम जयो जयो ---

एका दशी अगीयर कातयानी कामा, मां कातयानी कामा
काम दुगी कालिका, काम दुगी कालिका, श्यामा ने रामा
ओम जयो जयो मां जगदम्बे

बारसे बाला रूप बहुचारी अम्बे, मां बहुचारी अम्बे
बटुक भैरव सोहिये, काल भैरव सोहीये तारा छे तुज मां
ओम जयो जयो ----

तेरस तुलजा रूप तम तरुनी माता, मां तम तरुनी माता
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव, ब्रह्मा विष्णु सदा शिव, गुन तेरा गाता
ओम जयो जयो ----

चौदस चौदह रूप चांदी चमुंडा, मां चांदी चमुंडा
भाव भक्ति के आपो, चतुराई के आपो शिव हुनी माता
ओम जयो जयो ----

पुनमे कुम्भा भरयो सम्भरजो करुणा, मां सम्भरजो करुणा
वशिष्ट देव वखान्या, मार्कंडे वखान्या, गाई शुभ कविता
ओम जयो जयो ----

सम्वत सोर सतावन, सुरसे बाविसमा, मां सुरसे बाविसमा
सम्वत सोर प्रगटया, सम्वत सोर प्रगटया रेवाने तीरा हर गंगा ने तीरा
हर जमुना ने तीरी, ओम जयो जयो ---

त्रम्बवती नगरी मां रूपवती नगरी मां मन चावती नगरी
सोर श्रवर ते सोये, सोर श्रवर ते सोये, काबज करे गवनी
मां दया करो गवनी, ओम जयो जयो ----

शिव शक्ति की आरती जो कोई गावे, मां जो कोई गावे
कहत शिवानंद स्वामी, कहत शिवानंद स्वामी, सुख सम्पती तासे
हर कालेश जासे मा अम्बा दुख हरसे, ओम जयो ...

भाव न जानु, भक्ति न जानु न जानु सेवा, मां न जानु सेवा
मेरा भवानी न भजीत भवे, अम्बे मा भजता भव सागर तरे
ओम जयो जयो मां ----

मन मंडप लाल गुलाबी बोके भाती साजू मां ओमे ओपा मांक
बालक तारा शरणे, बालक तारा शरणे, अविचार पद लेवा
ओम जयो जयो मां जगदम्बे